प्रेस-विज्ञप्ति

दीव में 74वें स्वतंत्रता दिवस का हुआ आयोजन, सोशल डिस्टेंसिंग का रखा गया ध्यान
अब कोरोना को मात देकर प्रगति की राह में बढ़ेगा दीव

दीव 15 अगस्त, 2020: दीव जिला प्रशासन द्वारा आज पद्मभूषण क्रीड़ा परिसर में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए भारत के 74वें स्वतंत्रता दिवस का आयोजन किया गया। इस मौके पर जिला समाहर्ता श्रीमती सलोनी राय हे ने ध्वजारोहण किया । इस अवसर पर दीव जिला एस.पी. श्री हरेश्वर स्वामी, दीव उप-समाहर्ता श्री हरमिंदर सिंह, मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री वैभव रिखारी, जिला पंचायत प्रमुख, चुने हुए जनप्रतिनिधि, प्रशासन के अधिकारी गण मीडियाकर्मी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

दीव जिला प्रशासन ने कोरोना महामारी के दौर में भारत सरकार के गृह मंत्रालय के दिशा-निर्देश के मुताबिक इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस को मनाने का निर्णय लिया ताकि वायरस के संक्रमण फैलने की संभावनों को रोका जा सके। इस अवसर पर सुबह 9 बजे दीव समाहर्ता ने किले के प्राचीर से तिरंगा झंडा फहराकर राष्ट्रीय कार्यक्रम का आगाज किया। इसके बाद राष्ट्रगान के साथ पूरा वातावरण देशभक्तिमय हो गया। अपने उद्बोधन में दीव समाहर्ता ने देश के स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों को याद करते हुए उनको ऋद्धा-सुमन अर्पित किये और फिर दीव के कोरोना वारियर्स को तहेदिल से धन्यवाद ज्ञापित किया । उन्होंने इस क्रम में दीव के डॉक्टर, मेडिकल स्टाफ, पैरा मेडिकल स्टाफ और नर्सिंग स्टाफ को धन्यवाद दिया, जिन्होंने चौबीसों घंटे अपनी सेवा प्रदान करके कोरोना महामारी की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई । फिर दीव के पुलिस कर्मियों, इंसिडेंट कमांडरों और चेक-पोस्टों पर तैनात टीम का भी शुक्रिया अदा किया जिन्होंने लॉकडाऊन के दौरान सोशल-डिस्टेंसिंग का अनुपालन करवाने के साथ-साथ हमारे बॉर्डर को सुरक्षित रखा ताकि हम इस महामारी से निजात पा सकें। उन्होंने दीव के शिक्षकों, आशा वर्करों, आंगनबाड़ी वर्करों, ए.एन.एम के कार्यों को भी सराहते हुए कहा कि इनहोंने नियमित रूप से अपनी ड्यूटी के अलावा घर-घर जाकर सर्वे कर आवश्यक आंकड़े उपलब्ध कराये और साथ ही लोगों को फेस-मास्क एवं सेनिटाईजर भी मुहैया कराया। इस कड़ी में दीव जिले को सेनिटाइज करनेवाली डी.एम.सी., जिला पंचायत और फायर ब्रिगेड की टीम को भी धन्यवाद दिया। दीव जिला समाहर्ता ने कोरोना के खिलाफ जंग में क्वारंटाइन सेंटरों पर तैनात कर्मियों, वॉलेंटियरों, सेल्फ हेल्प समूहों, व्यापारी, फिशनमैन और होटल एशोसियेशन के साथ दीव के लोगों के प्रति भी आभार प्रकट किया जिन्होंने अति सजगता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया और प्रशासन का सहयोग किया।

दीव समाहर्ता ने कोरोना के दौरान किये गये संघर्षों का उल्लेख करते हुए कहा कि दीव जिला प्रशासन ने लॉकडाऊन के दौरान बड़ी मुस्तैदी के साथ काम करते हुए दीव में फंसे लगभग दस हजार प्रवासी श्रमिकों और मछुआरों को राहत सामग्री पहुँचाया तथा उनके गृह-राज्य तक भेजे जाने का प्रबंध किया। इस दौरान दीववासियों को जरूरत की सामग्रियों के साथ चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की गई और फेस-मास्क एवं सेनिटाइजर मुहैया कराये गये। किसान सहायता योजना एवं जन-धन योजना के तहत किसानों और महिलाओं के खाते में सहायता राशि जमा की गई। गर्भवती महिलाओं और नवप्रसूताओं को टेक होम राशन के तहत लगभग 14550 किटों का वितरण किया

गया। दीव समाहर्ता ने बताया कि इन सब के साथ हमें यह भी पता है कि कोरोना ने हमारी जीवन शैली को पूरी तरह से बदल दिया है। इस महामारी की वजह से हमारी आजीविका, दिनचर्या आदि सब बदल गये हैं। अब हमें इसके साथ ही अपने जीवन को ढ़ालने के लिए तैयार रहना होगा। अब हमें अपने स्वास्थ्य के ऊपर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। इसके लिए हमें खुद स्वस्थ रहना होगा और अपनी इम्यूनिटी को बढ़ाने का प्रयास करना होगा। मास्क और सेनीटाईजर का नियमित प्रयोग करते हुए सामाजिक दूरी बनाकर रहना होगा। हमे कोशिश करनी है कि हम ज्यादा से ज्यादा घर में ही रहें। सिर्फ जरूरी काम होने पर ही घर से निकलें। और यदि किसी भी नागरिक को कोरोना संबंधी किसी भी प्रकार का लक्षण दिखे तो वह जल्दी से अस्पताल में जाकर इसकी जांच करायें। कोरोना के संक्रमण को रोकने का यही सबसे श्रेष्ठ और आसान उपाय है। कोरोना के चलते हमारे कामकाज का तरीका भी बदलना होगा। अब हमें अपने कार्यालयों में सोशल-डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए फेस-मास्क और सेनीटाइजर का नियमित इस्तेमाल करना होगा। मछुआरों के लिये भी यह आवश्यक है कि फिशिंग के लिये जाने से पूर्व वे यह सुनिश्चित करें कि उन्हें कोरोना के कोई भी लक्षण नहीं है। इसी तरह, पर्यटकों को भी जारी गाईडलाईन के तहत होटलों में प्रवेश दिया जाएगा। होटल मालिकों को भी अत्यंत सतर्कता से सारे नियमों का पालन करते हुए अपना व्यवसाय चलाना होगा। हमारे विद्यालय के बच्चों को परंपरागत स्कूली शिक्षा से हटकर ऑनलाईन के लिए प्रेरित करना होगा । उन्होंने बताया कि अब हमें आत्मनिर्भर बनना होगा और साथ ही स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। दीव में फिशिंग और पर्यटन उद्योग की असीम संभावनाएं हैं। हमें फिल्म, फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी और मल्टीमीडिया जैसे क्षेत्रों पर काम करना होगा, इससे दीव का नाम बढ़ेगा और दीव के युवाओं के लिए रोजगार के नये आयाम सृजित होंगे। उन्होंने किचन गार्डन को विकसित करने पर बल दिया। दीव को स्वच्छ बनाने के लिए भी हमें प्रयास करना होगा।

दीव समाहर्ता ने कहा कि कोरोना काल के दौरान चंद अच्छी बातें भी दीव जिले के हिस्से में आयी हैं। एक तो दीव ने 12वीं बोर्ड परीक्षा में पूरे गुजरात में प्रथम स्थान हासिल कर इस जिले का नाम रोशन किया है। वहीं दूसरी ओर आई.आई.आई.टी., वड़ोदरा ने दीव के एज्यूकेशन हब में अपना अंतर्राष्ट्रीय परिसर खोलने हेतु सहमति प्रदान कर दी है। अब दीव जिले में ही बी-टेक, एम-टेक और पी.एच.डी. की पढ़ाई संभव हो पाएगी। दीव के रेहड़ी, ठेला लगानेवालों के लिए भी दस हजार लोन की सुविधा भी आरंभ कर दी गई है।

इस अवसर पर परेड की सलामी के बाद दीव समाहर्ता ने कोरोना वॉरियर्स को सम्मानित करके उनका हौसला बढ़ाया जिन्होंने, महामारी के विषम दौर मे भी अपनी जान की परवाह किये बिना अपनी सेवा प्रदान करते रहे। राष्ट्रगान के साथ इस राष्ट्रीय पर्व का समापन हुआ। कोरोना महामारी के संक्रमण को ध्यान में रखते हुए आम लोगों की सुविधा के लिए दीव जिला प्रशासन ने इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण यूट्यूब और ट्वीटर पर किया जिसे कई लोगों द्वारा देखा गया।

हस्ता/-

जनसंपर्क अधिकारी

दीव